छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

नवंबर-दिसंबर 2020 ■ वर्ष-17

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

नवंबर-दिसंबर 2020 ■ वर्ष-17

अलविदा कोरबा पूर्व संयंत्र

संरक्षक

श्री अंकित आनंद (IAS)
अध्यक्ष

श्री अशोक कुमार
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री एन.के. बिजौरा
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

श्री राजेश वर्मा
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

श्री हर्ष गौतम
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती उज्ज्वला बघेल
प्रबंध निदेशक
(होल्डिंग कंपनी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	दिसंबर 2020
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	121 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12869 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1316 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	22956 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	188178 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	117271 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	201693 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	39572
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73369	450661
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या (प्रावधिक)	630389	1933154

संपादक : **विजय कुमार मिश्रा** अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
सह सम्पादक : **अनामिका मण्डावी** ● सहयोग : **जाबिर मोहम्मद कुरैशी, प्रसन्न दुबे**
छाया : **संजय टेम्बे**, e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

श्री अंकित आनंद द्वारा पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन का पदभार ग्रहण

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन श्री अंकित आनंद (आई.ए.एस.) बनाये गये, तदानुसार उन्होंने 02 दिसम्बर 2020 को अपना पदभार ग्रहण किया। वे राज्य शासन के ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव सहित पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन के उत्तरदायित्वों का भी निवर्हन करेंगे।

पदभार ग्रहण उपरांत श्री आनंद ने माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि शासन की रीति-नीति के अनुरूप प्रदेश के आम आदमी सहित कृषि-उद्योग जगत का विद्युत से तेजी से विकास लक्ष्य होगा। टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए बिजली के मामलें में छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर बनाये रखना प्राथमिकता होगी। उल्लेखनीय है कि मान.मुख्यमंत्री के ए.सी.एस. श्री सुब्रत साहू (आई.ए.एस.) अब तक पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन पद का भी दायित्व निर्वहन कर रहे थे।

चेयरमेन श्री आनंद को पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक सहित अन्य उच्चाधिकारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनायें दी। विदित हो कि श्री अंकित आनंद मार्च 2015 से फरवरी 2019 तक पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक पद पर सेवारत रहे हैं। श्री अंकित आनंद पॉवर कम्पनीज के 11 वें चेयरमेन होंगे। अब तक छत्तीसगढ़ विद्युत मण्डल/ पॉवर कम्पनीज में सर्वश्री एस.के. मिश्रा (आई.ए.एस.), गोपाल तिवारी, बी.एस. बनाफर, एस.के.मिश्रा (आई.ए.एस.), अजय सिंह (आई.ए.एस.), राजीव रंजन, पी.जायउम्मेन (आई.ए.एस.), शिवराज सिंह (आई.ए.एस.), शैलेन्द्र शुक्ला, सुब्रत साहू (आई.ए.एस.) चेयरमेन रहे हैं।

पॉवर कंपनीज के नवपदस्थ चेयरमेन श्री अंकित आनंद का जन्म 11 सितम्बर 1983 को पटना में हुआ। अपनी माता श्रीमती सुधा सिन्हा एवं पिता श्री संजय कुमार सिन्हा से सुसंस्कार सहित अनवरत् आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा आपको मिली। आपने सेन्ट्रल स्कूल पटना से हायर सेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आई.आई.टी. कानपुर से बी.टेक (कम्प्यूटर) की डिग्री प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। आगे वर्ष 2006 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के लिये चयनित हुये।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के पश्चात् अस्सिटेंट कलेक्टर के पद पर दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) में आपने 07 अप्रेल 2007 से 25 जुलाई 2009 तक अपनी सेवायें दी। सेवायात्रा में आपने सी.ई.ओ. के पद पर बस्तर-कांकेर, रायपुर तथा कलेक्टर के पद पर आपने जशपुर, बस्तर तथा दुर्ग में अपनी सफलतापूर्वक सेवायें दी हैं। पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन बनने के पूर्व आप विशेष सचिव (स्वतंत्र प्रभार) आवास एवं पर्यावरण विभाग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवा रायपुर विकास प्राधिकरण में सेवारत थे।

पॉवर कम्पनीज के प्रबंध निदेशकों के साथ चेयरमेन श्री अंकित आनंद की बैठक

नवपदभार ग्रहण करने के उपरांत चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने पॉवर कम्पनीज के प्रबंध निदेशकों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों सहित पॉवर कम्पनीज के कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं को समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने पर बल दिया।

इस अवसर पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने प्रदेश की पारेषण प्रणाली को उन्नत बनाने हेतु जारी कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इसी क्रम में जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एन.के. बिजौरा ने ताप एवं जल विद्युत गृहों की कार्यनिष्पत्ति के संबंध में बताया।

बैठक में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री हर्ष गौतम ने विद्युत वितरण विषयक कार्यों सहित राज्य शासन की जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। ट्रेडिंग कंपनी के एमडी श्री राजेश वर्मा ने ट्रेडिंग कंपनी की गतिविधियों पर तथा पॉवर होल्डिंग कंपनी की एमडी श्रीमती उज्ज्वला बघेल ने कंपनी की नीतियों तथा अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित कार्यों से चेयरमेन श्री अंकित आनंद को अवगत कराया।

पॉवर कंपनी के ईडी श्री पाण्डेय एवं श्री अंसारी की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक द्वय सर्वश्री एच.के. पाण्डेय एवं एम.ए. अंसारी की सेवानिवृत्ति पर 28 नवम्बर 2020 को भावभीनी विदाई दी गई।

विद्युतसेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में पॉवर कम्पनीज के तत्कालीन चेयरमेन श्री सुब्रत साहू सहित प्रबंध निदेशक सर्वश्री अशोक कुमार, एन.के. बिजौरा, राजेश वर्मा, हर्ष गौतम एवं श्रीमती उज्ज्वला बघेल ने सेवानिवृत्तजनों के सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर विशिष्टजनों ने कहा कि दक्ष अभियंताओं की टीम के बूते छत्तीसगढ़ की विद्युत प्रणाली सुदृढ़ बनी। ऐसे दीर्घ अनुभवी अभियंताओं के कार्य अनुभव का अनुकरण करते सेवारत कर्मी पॉवर कंपनी को सतत् आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे।

सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. पाण्डेय ने अपनी चार दशक की सेवायात्रा तथा कार्यपालक निदेशक श्री एम.ए. अंसारी ने सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग को अपनी सफलता का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री विजय मिश्रा एवं प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने सेवानिवृत्तजनों के उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। होल्डिंग-ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग की ओर से भी उक्त दोनों कार्यपालक निदेशकों को विदाई दी गई। इस कार्यक्रम में होल्डिंग कंपनी के प्रभारी महाप्रबंधक श्री ए.के. सत्संगी, डीजीएम डॉ. अल्पना शरत तिवारी ने शॉल श्रीफल से ईडी श्री पाण्डेय का अभिनंदन किया।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी, सीएमओ डॉ. के.एस. छाबड़ा, आईआरओ श्री जी. खण्डेलवाल, डीजीएम श्री के. भारती, मुख्य सर्तकता अधिकारी कर्नल प्रदीप सिंह भदुरिया, पंकज सिंह, पी.के. नायडू, रामेश्वर नाकतोड़े सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ से सेवानिवृत्तजनों का स्वागत किया। पारेषण कंपनी की विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री एमएस चौहान, श्री केएस मनोठिया, श्री पीके गुप्ता, मुख्य अभियंता श्री एसडी तैलंग, श्री पीसी पारधी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के विद्युत गृह बीते चार माह से बढ़त बनाये हुए देशभर में बने हैं अव्वल

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के अधीन कार्यरत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के विद्युत उत्पादन के मामले में देशभर के 33 स्टेट पॉवर सेक्टर के विद्युत संयंत्रों को फिर से पछाड़ दिया है।

छत्तीसगढ़ के संयंत्रों ने चालू वित्तीय वर्ष में माह अक्टूबर तक 69.98 प्रतिशत पीएलएफ दर्ज करते हुए सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाया है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन कार्यरत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने माह अक्टूबर 2020 के अपने प्रगति प्रतिवेदन में इसका खुलासा किया। प्रतिवेदन के अनुसार छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के विद्युत गृहों ने 69.98 प्रतिशत पी.एल.एफ. प्रदर्शित किया जबकि राष्ट्रीय स्तर पर देशभर के ताप विद्युत गृहों ने औसत 50.48 प्रतिशत पी.एल.एफ. दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के नाम दर्ज इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पॉवर कंपनी के तत्कालीन चेयरमेन श्री सुब्रत साहू एवं उत्पादन कंपनी के एमडी श्री एन.के.बिजौरा सहित उनकी टीम को बधाई दी। राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि को प्रदेश हित में बहुपयोगी बताया तथा कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को ऐसी उत्कृष्ट कार्यशैली को बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक देशभर के विद्युत गृहों में छत्तीसगढ़ को प्रथम, तेलंगाना राज्य को द्वितीय (66.68 प्रतिशत) तथा सिंगरेनी कोलियारीज निगम लिमिटेड (एससीसीएल) को तृतीय स्थान (61.95 प्रतिशत) प्राप्त हुआ। विदित हो कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के विद्युत गृह बीते चार माह से बढ़त बनाये हुए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बने हुए हैं। बीते आठ माह से देश के सभी राज्य कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहे हैं, ऐसे दौर में छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के विद्युत गृहों द्वारा लगातार अधिकतम विद्युत उत्पादन करना उत्तम प्रबंधन का द्योतक है।

ब्लैक आऊट होने पर 14 मिनट में चालू हो सकेंगे बिजलीघर

प्रदेश में आकस्मिक ब्लेक आउट होने की स्थिति में ताप विद्युत गृहों को पुर्नसंचालित करने हेतु जल विद्युत गृह से स्टार्ट अप पॉवर सप्लाई करने संबंधी एक मॉक ड्रिल (पूर्वाभ्यास) छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लोड डिस्पेच सेंटर में 30 दिसम्बर 2020 को सफलतापूर्वक किया गया।

मॉक ड्रिल के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का अभ्यास किया गया कि आपात स्थिति में पॉवर प्लांट के ब्लैक आऊट होने पर कोरबा पूर्व के बिजली संयंत्रों को शुरू करने हेतु 14 मिनट में जल विद्युत संयंत्रों से बिजली पहुंचाई जा सकेगी। अचानक ब्लैक आऊट होने की स्थिति में विद्युत संयंत्रों को फिर से रिचार्ज करना कठिन होता है, इसके लिए तुरंत बिजली की आवश्यकता पड़ती है, जिसकी तत्काल आपूर्ति जल विद्युत संयंत्रों से ही हो सकती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में यह मॉकड्रील पूरा हुआ। उन्होंने इस मॉकड्रील की सफलता के लिए इंजीनियरों की टीम को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के डंगनिया स्थिति लोड डिस्पैच सेंटर में संपादित इस "ब्लेक स्टार्ट-ग्रिड रिस्टोरेशन" मॉकड्रिल (पूर्वाभ्यास) की मानीटरिंग मुंबई स्थित वेस्टर्न रीजनल लोड डिस्पैच सेंटर के एक्सपर्ट इंजीनियर भी कर रहे थे। इंडियन इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कोड और स्टेट ग्रिड कोड के निर्देशानुसार साल में दो बार इस तरह का मॉकड्रिल करना होता है। अंतरराज्यीय बिजली ग्रिड ठप होने की स्थिति में बिजली व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल करने हेतु यह मॉकड्रील छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के इंजीनियरों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया।

पूर्वाभ्यास के दौरान विकट विद्युत संकट में कोरबा के थर्मल पावर प्लांट (तापीय विद्युत संयंत्र) को बांगो स्थिति जल विद्युत संयंत्र से स्टार्ट-अप पॉवर कोरबा पूर्व के 132 केवी उपकेंद्र को 14 मिनट में भेजने में सफलता प्राप्त की गई। इस दौरान डंगनिया स्थिति लोड डिस्पैच सेंटर में ईडी (कार्यपालक निदेशक) सर्वश्री केएस मनोठिया, मुख्य अभियंता श्री पीसी पारधी, श्रीमती शारदा सोनवानी, एसई (एलडी) श्री वाईके राव, एके खन्ना, ईई संजय चौधरी, एई प्रेम जायसवाल, जीपी सिंह, रेशमा सतपाल, सुदेशना पॉल, बांगो जल विद्युत गृह से एसई जीपी सोनी, कोरबा पूर्व में श्रीमती निवेदिता जायसवाल एवं एसई पी संजीव ने मॉकड्रील का नेतृत्व किया। जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (ईडी) श्री रवींद्र पाठक, एसीई जेके वैद्य, एसई आर अरविंद, मनोज रॉय एवं वरिष्ठ अधिकारी की सक्रिय भूमिका रही। कोरबा वेस्ट के एसीई श्री पंकज कोले ने मॉकड्रील को सफल बनाने में योगदान दिया।

विदित हो कि देश के पश्चिम क्षेत्रीय ग्रिड से छत्तीसगढ़ सहित गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र इत्यादि राज्य जुड़े हुये हैं। कई राज्यों से जुड़े विशाल ग्रिड के संचालन में कभी गड़बड़ी आने की स्थिति में बिजली संयंत्रों को फिर से चालू करने में अनेक कठिन चुनौतियां होती हैं। इन्हीं परिस्थितियों में त्वरित बिजली सेवा बहाली के लिए प्रदेश में स्थापित ताप विद्युत संयंत्रों को स्टार्टअप पॉवर उपलब्ध कराने के लिए मॉकड्रील किया जाता है। ब्लेक आउट की स्थिति में बंद विद्युत उत्पादन संयंत्र के पुनर्संचालन हेतु हायडल (जल विद्युत) या गैस पर आधारित संयंत्रों (जिनको चालू करने में कम समय लगता है) का उपयोग किया जाता है। छत्तीसगढ़ में बांगो जल विद्युत संयंत्र को ही एकमात्र जल संयंत्र ब्लैक स्टार्ट हेतु उपलब्ध है।

ऐसे पूर्ण हुई मॉक ड्रिल की प्रक्रिया

मॉकड्रिल के दौरान सर्वप्रथम बांगो जल विद्युत परियोजना की 132 के.व्ही. उपकेन्द्र से छुरीखुर्द, जमनीपाली एवं कोरबा उपकेन्द्र तक एक आईलैन्ड सबसिस्टम बनाया गया। इसके माध्यम से बांगो बिजली संयंत्र में ब्लैक आउट की स्थिति निर्मित की गई। इस तरह एक बनावटी बिजली संकट जमनीपाली एवं कोरबा क्षेत्र में निर्मित किया गया। इसके पश्चात् इंजीनियरों की टीम ने युद्धस्तर पर बिजली संकट क्षेत्र में बिजली बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ किया। इसके लिए बांगो में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट से बंद जल विद्युत इकाई क्रमांक तीन को सर्विस में लेकर 132 के.व्ही. उपकेन्द्र के बस को चार्ज किया गया और वहां उत्पादित बिजली को 132 के.व्ही. लाईन छुरीखुर्द तथा जमनीपाली के माध्यम से कोरबा पूर्व के उपकेन्द्र तक पहुंचाई गई और पूर्व-निर्धारित 33/11 केवी विद्युत फीडर को एक के बाद एक चालू कर बांगो की जल विद्युत इकाई से करीब 24 मेगावाट लोड लिया गया। इस तरह ब्लैक आउट की स्थिति में लगभग 14 मिनट में बांगो जल विद्युत गृह से कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह को स्टार्ट अप पॉवर पहुंचाई गई।

उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एनके बिजौरा का कोरबा दौरा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एनके बिजौरा ने 26 से 29 दिसंबर तक बांगों जल विद्युत संयंत्र, 220 मेगावाट की कोरबा पूर्व संयंत्र, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम का निरीक्षण कर अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

श्री एनके बिजौरा ने एचटीपीपी के प्रभारी मुख्य अभियंता श्री बीडी बघेल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पंकज कोले समेत अन्य अधिकारियों के साथ बांगो जल विद्युत संयंत्र में चल रहे वार्षिक रखरखाव कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षात्मक उपायों को अमल में लाते हुए प्लांट परिचालन को निर्बाध रूप से बनाये रखने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बांगो जल विद्युत संयंत्र की इकाईयों के रिकार्ड उत्पादन को बनाये रखने के साथ ही संयंत्र के यथासमय रखरखाव के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में अधीक्षण यंत्री श्री सोनी ने कार्य के संबंध में जानकारी दी।

कोरबा पूर्व संयंत्र व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (डीएसपीएम) के दौरा के दौरान अधिकारियों से चर्चा उपरांत वीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से भी चर्चा हुई। उन्होंने बतायाकि सभी इकाइयों का वार्षिक रखरखाव पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) इस दिशा में काम कर रही है। इकाइयों में जरूरत के मुताबिक उपकरण भी बदले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी कर्मचारियों ने बेहतर कार्य कर अधिकतम उत्पादन के रिकार्ड को सतत् बनाये हुए हैं।

उन्होंने बताया कि संयंत्रों द्वारा उत्सर्जित राख की खपत पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। मड़वा संयंत्र की राख को रिक्त पड़े पत्थर खदान में भर रहे हैं, तो डीएसपीएम की राख मानिकपुर खदान में भरी जा रही। वहीं एचटीपीपी की राख नेशनल हाइवे मार्ग निर्माण में सप्लाई की जा रही है। कंपनी ने शत-प्रतिशत राख खपत करने का लक्ष्य रखा है।

प्रबंध निदेशक एनके बिजौरा ने गोढ़ी स्थित राखड़ डैम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही लो- लाइन एरिया व बंद पड़ी गिट्टी खदान में राख भरने के लिए कार्रवाई करने भी कहा।

डीएसपीएम में वार्षिक रखरखाव का लिया जायजा-

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 250 मेगावाट क्षमता दो नंबर इकाई का वार्षिक रखरखाव कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से जानकारी ली और कार्य निश्चित समयावधि में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि पांच साल बाद पूरी यूनिट का मरम्मत कार्य किया जा रहा है। इस दौरान जनरेटर ट्रांसफार्मर में भी खराबी सामने आई। इसे भी दुरूस्त किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य अभियंता एसके बंजारा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया, अंजना कुजूर, एचके गुप्ता, आर लहरी, पूर्व संयंत्र के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसपी चेलकर भी उपस्थित रहे।

अपने प्रवास के दौरान प्रबंध निदेशक श्री बिजौरा ने कुसमुंडा कोयला खदान से कोयला आपूर्ति के लिए बिछाए गए कन्वेयर बेल्ट का निरीक्षण किया और कोयला आपूर्ति बढ़ाने के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। इसी क्रम में उन्होंने एचटीपीपी विस्तार परियोजना व 210 मेगावाट इकाई के वार्षिक रखरखाव कार्य का निरीक्षण करने के साथ साथ टेक्निकल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य अभियंता एसके मेहता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसके नायक, पंकज कोले, राजू लहरी, एसएस टिकरिहा उपस्थित रहे।

आरएपीडीआरपी के प्रगति पर प्रबंध निदेशक ने ली समीक्षा बैठक

वितरण हानि कम करने शीघ्र कार्यवाही के दिए सख्त निर्देश

आरएपीडीआरपी (रिस्ट्रक्चर्ड-एक्सलरेटिड पावर डेवलपमेंट एंडरिफार्म्स प्रोग्राम) के तहत दुर्ग रीजन के अंतर्गत दुर्ग एवं बालोद जिले में किये जा रहे विद्युत विकास कार्यों के प्रगति के संबंध में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री हर्ष गौतम ने अधिकारियों की 7 दिसम्बर 20 को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने इन योजनाओं के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि पर पूर्ण करने पर जोर दिया।

श्री गौतम ने सभी मैदानी अधिकारियों को 31 मार्च 2021 अथवा इससे पूर्व लक्षित शहरों की वितरण हानि को 08 प्रतिशत अथवा इससे कम किये जाने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि आरएपीडीआरपी शहर के इनपुट यूनिट की गणना की संपूर्ण जांच करें एवं 11 के.व्ही. फीडर से सम्बद्ध ट्रांसफार्मर की मैपिंग एवं ट्रांसफार्मर से उपभोक्ता की मैपिंग एवं रूट सिक्वैसिंग का सही होना सुनिश्चित करें।

इन योजनाओं के तहत इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट पांइट, रिंगफैन्सिंग डायग्राम, डीटीटैगिंग, कन्ज्यूमरटैगिंग, डीटी कोड जनरेशन, फीडरों एवं वितरण ट्रांसफार्मरों के मीटरों की जानकारी एवं फीडर वार वितरण हानि पर विस्तृत जानकारी लेकर दिये गये लक्ष्य को शीघ्र हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैप प्रणाली में 11 के.व्ही. फीडरों पर वितरण ट्रांसफार्मरों की टैंगिंग सही हो, फीडरवार वितरण हानि की नियमित समीक्षा कर इसे कम करने के प्रयास निरतंर करें।

प्रबंध निदेशक श्री गौतम ने दुर्ग क्षेत्र के अन्तर्गत विद्यमान वितरण ट्रांसफार्मरों, डीटी मीटरों, 33 के.व्ही. एवं 11 के.व्ही. लाइनों, उपभोक्ताओं के मीटरों के संदर्भ में विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए डिफेक्टिव मीटरों को बदलने की कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा की। घर के अंदर लगे हुए मीटर को बाहर एवं असामान्य ऊंचाई पर लगे मीटर को आई लेवल पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। साथ ही मीटर के बिना बिल जारी किये जाने वाले परिसरों में मीटर स्थापित करने एवं उपभोक्ताओं को हाफ बिजली बिल योजना का लाभ लेने के लिए बकाया भुगतान करने प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने उपभोक्ताओं का मोबाइल नंबर दर्ज करने एवं उनकी सलाह और शिकायतों को दर्ज कर प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में दुर्ग रीजन के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि टीएण्डडी लॉस को कम करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है, इस दिशा में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रभावी कदम उठाये जाए, सेप प्रणाली में वितरण केन्द्रवार लाइनों, उपकरणों एवं उपभोक्ताओं से संबंधित जानकारी को यथाशीघ्र संधारित करें। श्री पटेल ने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं को "मोर बिजली एप" डाउनलोड करने हेतु प्रेरित करें। समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता श्रीएस.आर.बांधे, श्रीव्ही.आर.मौर्या, श्री एच.के.मेश्राम, श्रीएस.के. गजपाल सहित समस्त कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित हुए।

दुर्ग में प्रशासनिक अधिकारी श्री पांडेय की भावभीनी विदाई

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी श्री रौनक पांडेय को स्थानांतरण उपरांत 23 दिसम्बर 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। उनकी नई पदस्थापना रायपुर (ग्रामीण) क्षेत्र में हुई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने श्री पांडेय के कार्यशैली की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। श्री पांडेय ने अपने कार्यकाल के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभिंयताद्वय श्री एच.के.मेश्राम एवं श्री व्ही.आर.मौर्या, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री बी.एस.राजपूत एवं आभार प्रदर्शन श्री यू.सी.त्रिपाठी ने किया।

क्वालिटी पॉवर सप्लाई हेतु 40 एमव्हीए. के 02 पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील

6.56 करोड़ की लागत से डोमा-बालोद उपकेन्द्र में ट्रांसफार्मर स्थापित

प्रदेश में "क्वालिटी पॉवर सप्लाई" हेतु गांव- शहर की पारेषण प्रणाली को पुख्ता बनाने का कार्य राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार तेजी से किये जा रहे है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी को रायपुर क्षेत्रान्तर्गत 220/132/33 केव्ही. उपकेन्द्र डोमा में तथा 132/33 केव्ही. उपकेन्द्र बालोद में 40-40 एमव्हीए. क्षमता के 02 पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना कर क्रियाशील करने में 06 दिसम्बर को बड़ी कामयाबी मिली।

आज उक्त जानकारी ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने दी। एमडी. श्री कुमार ने बताया कि डोमा उपकेन्द्र की दूसरी ईकाई 40 एमव्हीए. क्षमता के विशालकाय पॉवर ट्रांसफार्मर को 2.5 करोड़ तथा बालोद उपकेन्द्र के ट्रांसफार्मर को 4.06 करोड़ की लागत से स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कोरोना संक्रमण काल में भी ट्रांसमिशन कंपनी की टीम नये अति उच्चदाब उपकेन्द्रों, लाइनों, ट्रांसफार्मर्स की स्थापना कार्य में जुटी हुई है, फलस्वरूप प्रदेश में ईएचटी उपकेन्द्रों की संख्या 121 तथा ईएचटी लाईनों की लम्बाई 12823 सर्किट किलोमीटर से अधिक हो गई है। ऐसी उपलब्धियों के लिए श्री कुमार ने पारेषण कंपनी की एक्सपर्ट टीम को बधाई दी तथा कोविड-19 के संक्रमण से बचते हुए जनहित में उत्कृष्ट कार्यशैली को बनाये रखने प्रेरित किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राजधानी रायपुर के निकट स्थति औद्योगिक क्षेत्र के उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदाय करने हेतु 132/33 केव्ही. उपकेन्द्र सिलतरा फेस-2 का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसे 2020-21 में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र उरला, बिरगांव में स्थापित 132 केव्ही. लाइनों की पारेषण क्षमता के उन्नयन हेतु पुराने पैंथर कनडक्टर को न्यू टेक्नालॉजी से निर्मित उच्च क्षमता वाले एचटीएलएस कन्डक्टर में बदलने का कार्य पूर्ण किया गया है। जिससे इस क्षेत्र की पारेषण क्षमता लगभग 50 मेगावाट बढ़ गई है।

डंगनिया औषधालय से श्री निसार शेख की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज मुख्यालय डंगनिया स्थित औषधालय में सेवारत कार्यालय सहायक श्रेणी श्री निसार अहमद शेख की सेवानिवृत्ति पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल.पंचारी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.एस.छाबड़ा एवं वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. निलेश सिंह ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया एवं उनके सुखमय जीवन की कामना की।

दुर्ग में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा "भारतीय संविधान की प्रस्तावना" का पठन किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान एवं निज सचिव श्री एन.ए.कुरैशी ने कार्यपालक निदेशक के कक्ष में एवं अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालय / कक्ष में राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 महामारी के संक्रमण को दृष्टिगत सुरक्षात्मक तरीके अपनाकर एवं पब्लिक गैदरिंग से बचते हुए दिनांक 26 नवंबर 2020 को सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) को अपने कार्यालय / कक्ष में पढ़ा गया।

मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप

सोनहत कटगोड़ी में बनेगा 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र

छत्तीसगढ़ में उपलब्ध बिजली का लाभ सुदूर वनांचलों में स्थित ग्रामीणजनों को मिल सके इस हेतु माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की घोषणा के अनुरूप प्रमुखता से कार्य किये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में जिला कोरिया, संचारण-संधारण संभाग मनेन्द्रगढ़, विकासखण्ड सोनहत के अन्तर्गत ग्राम कटगोड़ी में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना करने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने कारगर पहल की। इस उपकेन्द्र के निर्माण हो जाने से 53 गांवों के 4500 निवासरत ग्रामीणजनों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

उपकेन्द्र के निर्माण हेतु कोरिया-मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से वीडियो कांफ्रेसिंग पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीणजनों की मांग पर वहां 33/11 केव्ही उपकेन्द्र बनाने की घोषणा की गई थी। इस उपकेन्द्र में 3.15 एमव्हीए क्षमता का पॉवर टांसफार्मर स्थापित करते हुए 3.80 किलोमीटर 33 केव्ही लाईन एवं 5.00 किलोमीटर लम्बी 11 केव्ही लाईन का निर्माण किया जायेगा। इन कार्यों हेतु अनुमानित लागत 180.15 लाख रुपए आंकी गई है।

वर्तमान में कटगोड़ी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सोनहत उपकेन्द्र से सम्बद्ध 50 किलोमीटर लम्बी लाईन के द्वारा की जाती है, जिससे क्षेत्रवासियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री जी की घोषणा उपरांत कटगोड़ी में नये उपकेन्द्र के निर्माण के साथ ही साथ इससे 11 केव्ही के तीन फीडर निकाले जायेंगे। कटगोड़ी में नये उपकेन्द्र के निर्माण से जहां वोल्टेज में सुधार होगा वहीं लाईन लॉस में कमी आयेगी साथ ही साथ जंगलों से गुजरने वाली विद्युत लाईन की लंबाई में कमी आयेगी जिससे आकस्मिक विद्युत व्यवधान का त्वरित निदान हो सकेगा।

स्काडा सेंटर रायपुर में संविधान उद्देशिका का वाचन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के गुढ़ियारी, रायपुर स्थित स्काडा / डीएमएस कंटोल सेंटर और ए.एम.आर. सेल प्रागंण में अधिकारियों/कर्मचारियों ने संविधान दिवस पर संविधान उददेशिका का वाचन किया। स्काडा सेंटर के कार्यपालन अभियंता श्री एन.बिम्बीसार एवं ए.एम.आर. सेल के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. गोपावार सहित अभियंतागण श्री ए.के. यदु, श्री आनंद वर्मा, श्रीमती सुरूचि कौशल श्रीमती हरमित कौर भाटिया, श्री बी.आर.साहू, श्री एस.के. श्रीवास, श्रीमती शारदा देवांगन, सुश्री गुंजा गुप्ता, सुचिता बरवा, जी.ई. कंपनी के इंजीनियर श्री संजीब घोष, श्री गुलाब साहू, श्री जी.आर. देवांगन, श्री धनराज देवांगन, सुश्री पिंकी गोंड, आदि उपस्थितजनों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दी।

एबीवीडीपीएस से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से माह अगस्त में सेवानिवृत्ति हुए वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बसंत राम साहू एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बलदाऊ सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। कोरोना के मुश्किल घड़ी में उन्हें वृत्त कार्यालय कक्ष में ही सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए कार्यालय प्रमुख द्वारा सीमित संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। श्री साहू एवं श्री सिंह के सेवानिवृत्ति पर मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास द्वारा उनके दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को पॉवर कंपनी के हित में बताते हुए उज्ज्वल व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं।

पॉवर कंपनी के चेयरमेन द्वारा विद्युत संयंत्रों का निरीक्षण

पॉवर कंपनीज के तत्कालीन चेयरमेन श्री सुब्रत साहू (आईएएस) ने 8 एवं 9 नवंबर 2020 को हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, डॉ. श्यामा प्रवास मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व और अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एनके बिजौरा भी उपस्थित रहे।

अपने प्रवास के दौरान चेयरमेन श्री साहू ने राखड़ बांध, कोल ट्रैक हॉपर, एमसीआर का जायजा लिया और कान्फ्रेंस हॉल में बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्री यशवंत कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल माथुर, एसडीएम श्रीमती मेनका प्रधान समेत विद्युत गृह के मुख्य अभियंता एसके मेहता, श्री आरके श्रीवास सहित उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

ईडी श्री नायक की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री हेमप्रकाश नायक की सेवानिवृत्ति पर 31 दिसम्बर 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। विद्युत सेवाभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक सर्वश्री अशोक कुमार, एनके बिजौरा, हर्ष गौतम, राजेश वर्मा, श्रीमती उज्ज्वला बघेल ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनायें दी। सेवानिवृतत हो रहे कार्यपालक निदेशक श्री नायक ने उच्चाधिकारियों से मिले सहयोग को अपनी सफलता का आधार बताया तथा अपनी अर्जित कामयाबी का श्रेय टीमवर्क को दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने सेवानिवृत्तजनों के उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला।

प्रशासनिक अधिकारी श्री निगम की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता (संचा./संधा.) कार्यालय रायपुर से सेवानिवृत्त हुए श्री नवीन कुमार निगम प्रशासनिक अधिकारी को 31 दिसंबर 2020 को भावभीनी विदाई दी गई।

समारोह में श्री मधुकर जामुलकर मुख्य अभियंता (संचा./संधा.), अधीक्षण अभियंता श्री एम.डी. बड़गैया, श्री ए.के.भट्टाचार्य ने शाल, श्रीफल, सेवा प्रमाण-पत्र, घड़ी तथा अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अभियंता श्री जामुलकर, श्रीमती अनुसूया ठाकुर, श्री यशवंत ठाकुर, श्री इंद्र कुमार साहू, श्रीमती किरण लहरे एवं श्री निगम के पुत्र अक्षय तथा पुत्री आस्था सहित श्री निगम द्वारा भी गीतों की प्रस्तुति दी गई। कार्यपालन अभियंता श्री रमेश प्रसाद ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री इंद्र कुमार साहू कार्यालय सहायक श्रेणी-दो ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी श्री रमेश श्रीवास, निज सचिव श्री आर.डी. चंद्राकर, सहायक अभियंता सुश्री सुनीता कंवर, अनुभाग अधिकारी श्री एम. एच. खान सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यपालक निदेशक (निर्माण एवं लाईन मेंटेनेंस) श्री पी.के.गुप्ता

सकारात्मक सोच-दृष्टिकोण और टीमवर्क के साथ अनथक परिश्रम को अपनी सफलता का मूलमंत्र मानते हैं, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (निर्माण एवं लाईन मेंटेनेंस) के पद पर सेवारत श्री प्रमोद कुमार गुप्ता। पारेषण के क्षेत्र में लगभग चार दशक की सेवायात्रा को पूर्ण करते हुए आपने शहरी क्षेत्रों सहित घने वनांचलों में स्थित अतिउच्चदाब लाईनों-टावरों, उपकेन्द्रों के निर्माण एवं संचारण-संधारण में महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया है।

आपका जन्म हमीरपुर उत्तरप्रदेश में 30 जून 1959 को हुआ। आपको अपनी माता स्व. परमेश्वरी देवी एवं पिता स्व. श्री रज्जन लाल गुप्ता की छत्रछाया में जीवन यात्रा में सुसंस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। वर्ष 1975 में इन्टर मीडियट की परीक्षा हमीरपुर से उत्तीण करने के उपरांत आपने वर्ष 1979 हरकोर्ट बटलर टेक्नालाजीकल इंस्टीटयूट (एच.बी.टी.आई.) कानपुर से बी.ई. इलेक्ट्रिक की उपाधि प्राप्त की।

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत आपने वर्ष 1980 से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में ग्रेजुएट अप्रेन्टिस के पद से अपनी सेवायात्रा जगदलपुर से आरंभ की। आगे वर्ष 1981 से आपने सहायक अभियंता के नियमित पद पर अपनी सेवायें जगदलपुर, बिलासपुर, भाटापारा, भिलाई, रायपुर में दी। सौंपे गये दायित्वों का कुशलतापूर्वक निष्पादन करते हुए आपको वर्ष 1999 में कार्यपालन अभियंता, वर्ष 2010 में अधीक्षण अभियंता तथा वर्ष 2016 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने मुख्यालय रायपुर में रहते हुए प्रदेश की पारेषण प्रणाली के निर्माण एवं विस्तार संबंधी कार्यों में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया। आपकी उत्कृष्ट सेवाओं का मूल्यांकन करते हुए कंपनी प्रबंधन ने वर्ष 2017 में आपको मुख्य अभियंता तथा वर्ष 2019 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति दी।

सेवायात्रा के दौरान वर्ष 2006, 2007 एवं 2008 में आपने तीन अलग अलग जोखिम भरे घटनाओं में अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया। इस दौरान 220 केव्ही भिलाई-बारसूर लाईन के विशालकाय टॉवरों को माओवादियों ने विस्फोटक सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए आग लगाकर ध्वस्त कर दिया था। जिससे पूरे बस्तर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था बाधित हुई थी। ऐसे कठिन दौर में घने जंगलों के बीच साईट में केम्प करके सुरक्षा बलों के सुरक्षा घेरे के मध्य अपनी टीम के साथ 10-12 दिनों तक लगातार कार्य करके नये टॉवर की स्थापना और 220 केव्ही विद्युत सप्लाई की पूर्ववत् बहाली में अपने साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। इस हेतु मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत होने का आपको गौरव भी प्राप्त हुआ।

छत्तीसगढ़ की पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाकर सुदूर अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने हेतु निर्मित 23 अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों सहित उनसे सम्बद्ध लाईनों के निर्माण एवं उर्जीकृत करने में वर्ष 2017 से 2019 के दौरान बतौर मुख्य अभियंता आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तैराकी, योग एवं संगीत के साथ साथ देश-विदेश की यात्रा में आपकी विशेष अभिरूचि है। आपने सिंगापुर, मलेशिया, निदरलैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, स्विटरलैण्ड, बेल्जियम, इटली की यात्रायें की है।

चिरचारी उपकेन्द्र में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील

राजनांदगांव क्षेत्र के अंतर्गत छुरिया उपसंभाग के अधीन ग्राम सड़क चिरचारी में विद्यमान उपकेन्द्र में 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इस प्रकार सड़क चिरचारी उपकेन्द्र की क्षमता 5 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 8.15 एम.व्ही.ए. हो गया है।

इस नये पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से लगभग 39 ग्रामों में विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण हो गया है। विद्युत विकास के लिए स्वीकृत इस कार्य से सड़क चिरचारी उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले अनेक गांवों के किसानों तथा उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। इस कार्य को सफलतापूर्वक किये जाने पर मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री तरूण कुमार ठाकुर ने सहायक अभियंता श्री एम.के. साहू, श्री के.के. श्रीवास, और उनकी टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की है। छुरिया उपसंभाग के सहायक अभियंता श्री कुंजेश कुमार श्रीवास ने बताया कि सड़क चिरचारी उपकेन्द्र में स्थापित नवीन अतरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 6500 उपभोक्ताओं को उच्चगुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा।

राजनांदगांव में लाइनकर्मियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजनांदगांव के क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सी. एण्ड डी. (एनर्जी मीटिरिंग एण्ड बिलिंग वेरियंट-तीन) के तहत लाईनकर्मियों के लिए 03 से 05 दिसम्बर तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें शामिल प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा सहित कंपनी के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही लाईनकर्मियों की पहचान है। विभागीय प्रशिक्षण से तकनीकी विधाओं की जानकारी के साथ-साथ व्यवहार कुशलता में भी वृद्धि होती है। अपने कार्यस्थलों पर उपभोक्ताओं से संयमित एवं सकारात्मक व्यवहार से कंपनी के लिए सेतु का निर्माण करें।

विद्युत कम्पनी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में लाईन कर्मचारियों को भारत में विद्युत सेक्टर का परिदृष्य, सुधार की संकल्पना, स्पॉट बिलिंग, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) मीटरिंग कोड, सुरक्षा प्राथमिक चिकित्सा एवं आग बुझाने के उपकरण, निजी बचाव के उपकरण और व्यवहार आधरित सुरक्षा, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट एवं संचार कुशलता सहित पॉवर कंपनी की अन्य गतिविधियों, क्रियाकलापों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री मंगल तिर्की, श्री तरूण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियता सुश्री गीता ठाकुर, सहायक प्रकाशन अधिकारी श्री डी.एस. मंडावी एवं प्रशासनिक अधिकारी (प्रशिक्षु) श्री नीरज कुमार देवागंन उपस्थित थे।

राजनांदगांव में संविधान दिवस पर शपथ

राजनांदगांव के प्रशासनिक भवन में संविधान दिवस पर भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन करते हुए मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम द्वारा भारत की संविधान उद्देशिका का वाचन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प लिया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री मंगल तिर्की, श्री तरूण ठाकुर, कार्यपालन अभियंता सुश्री गीता ठाकुर, पीआरओ डी. एस. मंडावी, निज सहायक श्री एस.के. बक्शी, श्रीमती सरस्वती अय्यर, श्री प्रकाश सोनटापर सहित प्रशासनिक भवन स्थित समस्त कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पॉवर कम्पनीज के चिकित्सालय-औषधालय की नई समय सारणी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज के विभिन्न चिकित्सालयों-औषधालयों सहित पैथोलाजी लैब के संचालन की नई समय सारणी जारी की गई है। पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार अब चिकित्सालयों-औषधालयों की ओ.पी.डी. (बाह्य रोगी सेवायें) प्रतिदिन प्रातः 10.30 बजे से सांय 5.30 बजे तक संचालित होगी। नई समय सारणी के अनुसार पैथोलाजी लैब प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुले रहेंगे। समस्त द्वितीय एवं तृतीय शनिवार तथा अन्य शासकीय अवकाश के दिनों में चिकित्सालयों एवं औषधालय प्रातः 8.30 बजे से 10.30 बजे तक खुलेंगे। समस्त रविवार एवं राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में ओ.पी.डी. सेवायें बंद रहेंगी। कार्यालयीन दिवस पर चिकित्सालय में दोपहर 1.30 बजे से 2.30 बजे तक भोजन अवकाश रहेगा। उक्त आदेश 01 दिसम्बर 2020 से प्रभावशील हो गया है।

दुर्ग में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग क्षेत्र के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों हेतु 24 नवंबर से 27 नवंबर 2020 तक तथा 03दिसंबर से 05 दिसंबर 2020 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय मुख्यालय के बहुद्देशीय भवन में किया गया। विषय विशेषज्ञों द्वारा इसमें महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि कर्मचारियों को समय-समय पर दक्षता एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि की आवश्यकता होती है। इस तरह के प्रशिक्षण से व्यक्तित्व में निखार आता है। प्रशिक्षण का एक उद्देश्य यह भी है कि कर्मचारी आपस में मिलकर चर्चा करें और एक-दूसरे की बेहतर कार्यशैली को ग्रहण कर अपने कार्य को बेहतर बनाएं।

प्रशिक्षणार्थियों को अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दी गई किताब को अच्छे से अध्ययन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रदान की गई किताब तकनीकी ज्ञान बढ़ाने में मदद करेगी। अधीक्षण अभियंता श्री व्ही. आर.मौर्या ने कहा कि प्रशिक्षण अपने ज्ञान को अपडेट करने और अनुभवों के आदान-प्रदान का अच्छा माध्यम है।

प्रशिक्षण में विद्युत अधिनियम 2003, बिजली के बुनियादी स्रोत, त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम, लाईन निर्माण, नई लाईनों की कमीशनिंग, लाईन इंस्पेक्शन और रखरखाव, अर्थिंग, अर्थटेस्टर, अर्थ रेसिस्टेंट, ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग, 33/11 केव्ही सबस्टेशन, मीटरिंग की बुनियादी बातें एवं मीटरों के प्रकार, कैपेसिटर, अग्निशमन, उपभोक्ता संबंध, लाईनमैन के दायित्व एवं कर्तव्य, ऊर्जामापक, बिलिंग एवं संग्रहण विधियां एवं विद्युत चोरी की रोकथाम जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए गए।

प्रशिक्षणार्थियों को कार्यपालन अभियंता श्री डी.के.भारती, श्री जे.जे.प्रसाद, श्री ए.डी.टंडन, श्री डी.के.राले, श्री एस.के.बंड, श्री आर.के. श्रीवास्तव, सहायक अभियंता श्री मनीष अग्रवाल, श्रीमती सीमा ढील एवं श्री नवीन साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को कार्यपालन अभियंता श्री डी.के. भारती एवं कोर्स कोआर्डिनेटर श्रीमती सनीली चौहान द्वारा प्रमाण पत्र एवं टूल किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता श्रीआर.के.चन्द्राकर तथा कोर्स-कोऑर्डिनेटर एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित हुए।

विद्युत उपकेंद्र आनंदगांव में कैपेसिटर बैंक चार्ज

दुर्ग क्षेत्र के साजा संभाग के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. सबस्टेशन आनंदगांव में 1815 के.व्ही.ए.आर. का कैपेसिटर बैंक चार्ज किया गया। इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिए 16 लाख 67 हजार रुपए की लागत से पूर्ण हुए इस कार्य से साजा संभाग के लगभग 06 गांवों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। कैपेसिटर बैंक के चालू होने से वोल्टेज एवं पॉवर फैक्टर मे सुधार होगा और इससे लाईनलॉस में भी कमी आएगी।

कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने उक्त कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु कार्यपालन अभियंता परियोजना संभाग श्री हेमंत ठाकुर एवं सहायक अभियंता परियोजना श्री बी.के. पवार सहित उनकी पूरी टीम को बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया

कि 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र आनंदगांव के अंतर्गत ग्राम आनंदगांव, खुड़मुड़ा, नवागांव, तेलगा, मुड़पारकला एवं भरदा के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

कार्यपालक निदेशक (सी.एण्ड आर.ए.) श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (सी. एण्ड आर.ए.) के पद पर पदस्थ श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर का जन्म 03 जनवरी 1959 को नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश) में हुआ। वर्ष 1981 से आपने विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी सेवायात्रा आरंभ की तथा करीब 39 वर्षों की सेवायात्रा को पूर्ण करते हुए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत संयंत्रों के संचालन में अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।

आपको जीवनयात्रा में अपनी माता श्रीमती लक्ष्मीबाई तथा पिता श्री साबू लाल सिंह ठाकुर से सुसंस्कारों के साथ उत्तरोत्तर प्रगति करने की प्रेरणा मिली। आपने सागर मध्यप्रदेश से वर्ष 1975 में हायर सेकण्डरी की परीक्षा तथा आगे वर्ष 1980 में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से बी.ई. की उपाधि प्राप्त की। शिक्षा अर्जन के उपरांत वर्ष 1981 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल कोरबा पूर्व से ग्रेचयुट टेनी के पद से आपकी सेवायात्रा आरंभ हुई। आगे वर्ष 1982 में ताप विद्युत गृह सारनी में सहायक अभियंता तथा वर्ष 1998 में यहीं कार्यपालन अभियंता के रूप में अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2008 में बतौर अधीक्षण अभियंता आपने प्रतिनियुक्ति पर नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण भोपाल में अपनी सेवायें दी।

सेवायात्रा में सतत् आगे बढ़ते हुए वर्ष 2014 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता, वर्ष 2017 में मुख्य अभियंता तथा वर्ष 2018 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने कंपनी मुख्यालय स्थित ओ.एण्ड एम. जनरेशन कार्यालय तथा कोरबा पूर्व में सेवायें दी।

कम्प्यूटर एवं तकनीकी साहित्य में आपकी विशेष अभिरूचि है। कार्यों के त्वरित निष्पादन के अलावा कठिन परिश्रम को आप अपनी सफलता का मूलमंत्र मानते हैं।

भैंसातरा एवं पैलीमेटा उपकेन्द्र में 5 एम.व्ही.ए. के नये पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील

राजनांदगांव क्षेत्र के सोमनी उपसंभाग के अन्तर्गत ठेलकाडीह वितरण केन्द्र के ग्राम भैंसातरा में विद्यमान 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र में 5 एम.व्ही.ए. का नया पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया।

इस कार्य से भैंसातरा उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले विभिन्न गांवों के किसानों तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। इस तरह भैंसातरा उपकेन्द्र की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 5 एम.व्ही.ए. हो गई है। राजनांदगांव संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.आर.के. मुर्ति ने बताया कि भैंसातरा उपकेन्द्र में स्थापित नवीन 5 एम.व्ही.ए. का पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 3500 उपभोक्ताओं को उच्चगुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा। इस नये पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से लगभग 17 ग्रामों में विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण हो गया है।

इसी तरह उपसंभाग गंडई के अन्तर्गत ग्राम पैलीमेटा 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में 5 एम.व्ही.ए. के नये पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इस प्रकार पैलीमेटा उपकेन्द्र की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 5 एम.व्ही.ए. हो गई है। इस नये पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से लगभग 32 ग्रामों में विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण हो गया है।

इस कार्य से पैलीमेटा उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले अनेक गांवों के किसानों तथा उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। खैरागढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस.आर. साण्डे ने बताया कि पैलीमटा उपकेन्द्र में स्थापित नवीन 5 एम.व्ही.ए. का पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 6000 उपभोक्ताओं को उच्चगुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा।

इस कार्य को सफलतापूर्वक किये जाने पर मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री तरूण कुमार ठाकुर ने कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एस.आर. साण्डे, ए.के. बिजौरा, सहायक अभियंता सर्वश्री मुकेश कुमार साहू, सुश्री श्वेता कोसरिया, कुंदन यदु, ए.के.रामटेके और उनकी टीम को बधाई दी।

कोरबा पूर्व में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह सम्पन्न

कोरबा पूर्व में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य अभियंता (उत्पा.) श्री एस.पी. चेलकर, अति मुख्य अभियंता श्री चंचल पैकरा, अधीक्षण अभियंता श्री आर.एन.पटेल, श्री एस.एन.देवांगन, श्रीमती उर्मिला बनाफर, श्री वासुदेव भगत, मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एस.पी.चेलकर ने कहा कि संयंत्र में हमें हमेशा सतर्क होकर कार्य करना चाहिए। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं संरक्षा सप्ताह का आयोजन कामगारों को तथा हर पीढ़ी को जागरुक करना है सुरक्षा के प्रति बच्चो में जागरुकता जरूरी है। संरक्षा सप्ताह के दौरान गृहणियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में श्रीमती नमिता पैकरा, श्रीमती सारिका वर्मा, निबंध प्रतियोगिता में श्रीमती सारिका वर्मा एवं नमिता पैकरा कर्मियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में श्री संदीप बघेल, श्रीमती राजकुमारी जांगड़े एवं श्री उदय कुमार राठौर तथा बालक बालिकाओं के लिए आयोजित कोरोना महामारी पर निबंध प्रतियोगिता में ग्रेसी पटेल, चित्रकला में ओजस पैकरा, शगुन जांगड़े, वात्सल्य जांगड़े एवं डेजी पटेल तथा सेफ्टी सुरक्षा में ज्ञानेश्वर देवांगन, देवप्रसाद राठौर तथा इलेक्ट्रीकल संरक्षा माकड्रील को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुति आई.के. धुरंधर इलेक्ट्रीकल संरक्षा अधिकारी के द्वारा एवं शैलेश कुमार बरेठ एवं सरोज सिंह को मुख्य भूमिका हेतु पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री आर.एन.पटेल अधीक्षण अभियंता/ मुख्य संरक्षा अधिकारी एवं कार्यक्रम का संचालन संरक्षा अधिकारी श्री प्रमानन्द जांगड़े ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्हैया कैवर्त, वरूणसूद, घनश्याम सिंह क्षत्रिय, हेमन्त वर्मा एवं अनुप पटेल का सहयोग सराहनीय रहा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्युत गृह में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा (पूर्व) में कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुये 14 दिसम्बर 2020 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता (उत्पा.) श्री एस.के.बंजारा, कारखाना प्रबंधक श्री एच.एन.कोसरिया, अति. मुख्य अभियंता श्री एच.के.गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता एक्का एवं श्रीमती अंजना कुजुर की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में उपस्थितजनों को मुख्य अभियंता श्री बंजारा ने ऊर्जा संरक्षण का शपथ दिलाया। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऊर्जा बचाने हेतु लोगों में चेतना जागृत करना इस आयोजन का उद्देश्य है। हमें अपना स्वार्थ त्याग कर आने वाली पीढ़ी के लिए उपलब्ध संसाधनों का संरक्षण करना चाहिए। इसी क्रम में कारखाना प्रबंधक श्री कोसरिया ने भी विद्युत ऊर्जा का मितव्ययतापूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संयोजन श्री सत्येन्द्र सिंह अधीक्षण अभियंता तथा कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री एस.पी. बारले, वरि.कल्याण अधिकारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती रंजना फुटाने एवं श्री दीपक साहू तथा श्री एस.के.डेविड का सहयोग सराहनीय रहा।

कार्यालय में ऐसे पायें कामयाबी

किसी भी कार्यालय में कामयाबी पाने के लिए कुछ छोटी मगर महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान रखें तो कामयाबी सुनिश्चित हो जायेगी। ऐसी बातों में सर्वप्रथम कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए नई तकनीकी को अपनाने पीछे न हटें। नई चुनौतियों और अवसरों को लपकने के लिए सदैव तत्पर रहें। घर और कार्यालय के कार्यों को अलग-अलग रखें अर्थात जिस तरह कार्यालय का काम घर पर ले जाना अच्छा नहीं लगता उसी तरह घर के काम को कार्यालय में लाने से कार्यालय का कार्य प्रभावित होगा। कार्यालय में कार्यरत सहयोगियों को प्रतिद्वंदी नहीं दोस्त बनायें। इससे एक-दूसरे की सहयोगिता से कठिन काम भी आसान हो जायेंगे। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास को डगमगाने न दें। अपनी काबिलियत को ऐसी परिस्थतियों में और अधिक मजबूती से प्रदर्शित करने की भावना को सुदृढ़ बनायें। काम करते समय गलतियां होती ही हैं, अतः अगर आलोचना सुननी पड़े तो इसे कार्य में कुशलता लाने की कुंजी मानकर सहज स्वीकार करें।

कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह के 2x120 मेगावाट की ईकाईयां सेवानिवृत्त

कोरबा पूर्व की 2x120 मेगावाट की दोनो ईकाईयों से विद्युत उत्पादन 31 दिसम्बर की रात से बंद कर दिया गया। इन संयंत्रों को पर्यावरण मापदण्ड के अनुकूल नहीं पाने के अलावा लंबी आयु के कारण सेवानिवृत्त किया गया। इन संयंत्रों का इतिहास गौरवशाली रहा है जो पॉवर कंपनीज परिवार के लिए अविस्मरणीय रहेगा।

संयंत्रों के सेवानिवृत्त के अवसर पर विद्युत गृह क्रं. 03 के टी.जी. फ्लोर में कार्यक्रम आयोजित कर रात्रि 12 बजे ईकाई को ससम्मान बन्द किया गया। इस अवसर पर कंपनी के पूर्व डायरेक्टर श्री सी.पी. पाण्डेय, मुख्य अभियंता डी.एस.पी.एम. श्री एस.के. बंजारा, मुख्य अभियंता कोरबा पश्चिम श्री एस.के.मेहता तथा अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा के मुख्य अभियंता श्री आर.के.श्रीवास एवं कोरबा पूर्व, अति मुख्य अभियंता डी.एस.पी.एम.टी पी एस श्री एच.एन.कोसरिया, श्री एच के गुप्ता, श्री आलोक लकरा अति मुख्य अभियंता कोरबा पूर्व श्री चंचल पैकरा कोरबा पूर्व के वरिष्ठ कर्मचारी एवं श्रमिक संगठन के पदाधिकारी श्री आर.सी.चेट्टी, श्री.पालेश्वर सिंह, श्री पी.के.पाठक, हरिनामं सिंह, एच.आर नेताम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कोरबा पूर्व के मुख्य अभियंता श्री एस.पी.चेलकर के द्वारा सभी अतिथियों का साल श्रीफल प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व डायरेक्टर श्री सी.पी.पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह संयंत्र कोरबा स्थित सभी संयंत्रों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों का नेतृत्वकर्ता एवं मार्गदर्शक रहा है। इस संयंत्र ने देश एवं प्रदेश की उन्नति में अपना विशेष योगदान दिया है जो कि अविस्मरणीय है। श्री एस.के.बंजारा ने संयंत्र के कुशल संचालन एवं सतत् विद्युत उत्पादन के कीर्तिमानों का उल्लेख करते हुए इस संयंत्र के कर्मियो

के योगदान की सराहना की उन्होंने इस संयंत्र को जन हितैषी तथा विद्युत कर्मियों के परिवार का पालन पोषण करने वाला बताया तथा संयंत्र के प्रगति में कर्मियों के योगदान एवं बलिदान को नमन किया। श्री एस.पी.चेलकर ने संयंत्र के स्थापना काल से लेकर सेवानिवृत्त तक के सफर को प्रस्तुत करते हुए अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया उन्होंने संयंत्र एंव संयंत्र से जुड़े सभी लोगों की प्रशंसा करते हुए इस संयंत्र को देश के 120 मेगावाट की सर्वोत्तम ईकाई की रूप में प्रतिष्ठापित करने के लिए कर्मियों को बधाई दी।

कोरबा पश्चिम के मुख्य अभियंता श्री मेहता एवं मडवा ताप विद्युत गृह के मुख्य अभियंता श्री श्रीवास ने 120 मेगा वाट की ईकाईयों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्युत संयंत्रों की स्थापना में इस संयंत्र के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र सदैव सभी संयत्रों का मार्गदर्शक रहा है। वरिष्ठ कर्मी श्री आर.सी.चेट्टी, श्री पाठक एवं श्री पालेश्वर सिंह ने भी संयंत्र के संबंध में प्रकाश डालते हुए अपने विचार रखें। इकाई के इन्चार्ज श्री जी.आर.साहू कार्यपालन अभियंता ने संयंत्र संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर विद्युत गृह क्र. तीन के संचालन से जुडे सभी अधिकारी कर्मचारी ठेका श्रमिक तथा कर्मियों के परिजन व विभिन्न श्रमिक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एस.पी. बारले वरि.कल्याण अधिकारी एवं संयोजन श्री आशीष ब्रह्मभट्ट, श्री भुवनेश्वर पाटले अधीक्षण अभियंता एवं आभार प्रदर्शन नियंत्रक कक्ष के सहायक अभियंता श्री आलोक शर्मा ने किया।

इतिहास बन गई विद्युत इकाईयां

कोरबा पूर्व से सेवानिवृत हुई इकाईयों में से पहली इकाई वर्ष 1976 में तथा दूसरी इकाई वर्ष 1981 में संचालन में आई थी। अत्यधिक पुराने होने के कारण संयंत्र के निर्बाध संचालन में दिक्कतों के अलावा प्रदूषण नियंत्रण और उत्पादन लागत में वृद्धि जैसे तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए इन इकाईयों को सेवानिवृत्त किया गया। इसके पहले कोरबा पूर्व में 50-50 मेगावाट की चार इकाईयों को भी सेवानिवृत्त किया गया। 50 मेगावाट की इकाईयां वर्ष 1962 में रूस के सहयोग से स्थापित की गई थी।

विद्युत कर्मियों द्वारा संविधान प्रस्तावना का वाचन

छत्तीसगढ़ राज्य शासन सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुपालन में आज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के विभिन्न कार्यालयों के विभाग प्रमुख सहित संविधान की प्रस्तावना का वाचन अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा 26 नवम्बर को किया गया। विद्युत सेवाभवन में ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार के साथ उनके कार्यालय के विद्युत कर्मियों ने सामूहिक रूप से "भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य" बनाये रखने का संकल्प लिया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान कार्यालय परिसर में मनाया गया संविधान दिवस

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के गुढ़ियारी रायपुर में स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान प्रांगण में 26 नवम्बर 2020 को भारत का संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें विद्युत कंपनी के मुख्य अभियंता (प्रशि. अनु. एवं विकास) श्री ए.के. तिर्की द्वारा कार्यालयीन अधिकारियों /कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान के उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया।

उपस्थितजनों ने 26 नवम्बर ईसवी 1949 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) पारित संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुये "हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढसंकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पठन किया गया तथा कोरोना महामारी को देखते हुए शासन के नियमों का पालन भी किया गया। कार्यक्रम में अति. मुख्य अभियंता श्री एन डब्ल्यू हेनरी एवं अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधुलिका मिंज, कार्यपालन अभियंता श्री एस.पी. सोनी, श्री पी.बी. बंजारे, श्री मुकेश साहू सहायक अभियंता श्री एस.एस. पटनायक, ग्रंथालय अधिकारी श्री रूबेन बारा एवं समस्त कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में संविधान दिवस मनाया गया

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में संविधान दिवस के अवसर पर कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुये प्रशासनिक भवन के प्रांगण में भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा द्वारा उपस्थितजनों को करवाया गया। उन्होंने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र में माल्यार्पण कर भारत के संविधान के प्रति जागरुकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में श्री एच.के.कोसरिया, कारखाना प्रबंधक, अति.मुख्य अभियंता श्री एच.के.गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता एक्का, एवं समस्त अधीक्षण अभियंता तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रति आस्था व्यक्त करते हुये संकल्प लिया।

एबीवीटीपीएस में मनाया गया सुरक्षा सप्ताह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 03 से 09 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आयोजित 'सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए मेरा कर्तव्य' विषय पर निबंध और नारा लेखन स्पर्धा के विजेताओं को मुख्य अभियंता श्री आर.के. श्रीवास के द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने पुरस्कृतजनों को बधाई देते हुए कहा कि कार्यस्थल में संरक्षा उपकरणों का उपयोग सदैव करें। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े द्वारा संरक्षा को लेकर बरती जाने वाली प्रक्रियाओं और सावधानियों को विस्तार से बताया गया।

अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री आर.एल. ध्रुव ने संरक्षा सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस दौरान डीएम प्लांट में मॉक ड्रिल, अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि संरक्षा का प्रदर्शन और संयंत्र मुख्य द्वार पर संरक्षा व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्पर्धा के विजयी प्रतिभागियों सर्वश्री संजय कुमार झा, जयशंकर राजवाड़े, संजय कुमार वस्त्रकार, प्रीति निराला को पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह में संरक्षा अधिकारी विजय कुमार बर्मन द्वारा सेफ्टी क्विज का आयोजन कराया गया, जिसमें अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिकों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन संरक्षा अधिकारी नरेंद्र देवांगन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता अमिताभ शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता क्रिस्टोफर एक्का, एके सिन्हा, डॉ. आरके साहू, कल्याण अधिकारी (प्रशिक्षु) आरएस टेकाम, सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सहायक विधि अधिकारी रमेश समेत अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रमिक उपस्थित रहे।

आदर्शिनी महिला मंडल रायपुर की अध्यक्षा श्रीमती साहू का प्रेरणा महिला मंडल ने किया सम्मान

प्रेरणा महिला मंडल कोरबा पूर्व के बैनर तले सीनियर क्लब में पदाधिकारियों ने आदर्शिनी महिला मंडल रायपुर के अध्यक्षा श्रीमती राधारानी साहू सहित श्रीमती ज्योति गौतम, श्रीमती कल्याणी बिजौरा के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रेरणा महिला की अध्यक्षा श्रीमती निवेदिता बंजारा सहित अन्य पदाधिकारियों ने विशिष्टजनों का सम्मान क्राउन पहना कर किया। स्वागत उपरांत अतिथियों ने प्रेरणा महिला मंडल की समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को सराहनीय एवं अनुकरणीय बताया।

स्वागत समारोह में प्रेरणा महिला मंडल की उपाध्यक्षा श्रीमती शशि कोसरिया, श्रीमती कल्पना गुप्ता, श्रीमती जैन, श्रीमती नमिता पैकरा, श्रीमती स्नेहलता एक्का, श्रीमती अंजना कुजुर सचिव श्रीमती सुमता चौहान, कोषाध्यक्ष, श्रीमती रोशन देवी बारले एवं आभा गुप्ता, गीतू पटेल, पदमा जांगड़े, मोनिका ठाकुर की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निवेदिता बंजारा ने किया एवं मंच संचालन श्रीमती निशा गोठी द्वारा किया गया।

दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

हसदेव ताप विद्युत गृह में सेवानिवृतजनों की भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह से माह अक्टूबर एवं नवंबर 2020 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियो- कर्मचारी मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता ने प्रतीकात्क भेंट प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। सेवानिवृतजनों में शामिल सर्वश्री तुलाराम साहू, यशवंत सिंह तारम, दिलीप कुमार गार्डिया, गुणवंत राव देशमुख, विजय कुमार खरे, रामभजन यादव, कृष्ण कुमार साहू, विशाल सिंह गौरे, सतीश कुमार वालेस, अमृत लाल राठौर, रामकुमार सोनी, महादेव लाल सोनी, चेतन प्रसाद, डोमनिक तिर्की, नथ्थूलाल यादव, सोनाऊ राम और सकल कुमार को पावर कंपनी की ओर से भावभीनी विदाई दी गई।

इसी तरह अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, सुनील नायक, पंकज कोले, रजनीश जैन, संदीप श्रीवास्तव, बीके भगत एवं राजू लहरी के साथ कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया।

कोरबा पूर्व में संविधान दिवस का आयोजन

कोरबा ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में संविधान दिवस के अवसर पर कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुये सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्य अभियंता (उत्पा.) श्री एस.पी.चेलकर ने वाचन कराया। मुख्य अभियंता की ओर से "संविधान दिवस 2020" के अंतर्गत डॉ.भीमराव अंबेडकर की छायाचित्र में माल्यापर्ण कर अधिकारियों कर्मचारियों को भारत के संविधान के प्रति जागरुकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में श्री चंचल पैकरा, अति.मुख्य अभियंता एवं समस्त अधीक्षण अभियंता तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रति आस्था व्यक्त करते हुये संकल्प लिया।

एबीवीटीपीएस में मनाया गया संविधान दिवस

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास द्वारा संविधान की उद्देशिका का पठन-पाठन कराया गया। संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री टीएल देवांगन, श्री रजनीश जांगड़े, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्रीआरके तिवारी समेत अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मड़वा में विदाई समारोह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से नवंबर माह में सेवानिवृत्त हुए लेखाधिकारी श्री शिवकुमार एवं संयंत्र परिचारक श्रेणी-एक श्री चांदराम को भावभीनी विदाई दी गई। उन्हें वृत्त कार्यालय कक्ष में ही सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया गया एवं उनके सुखमय जीवन की कामना की गई। मुख्य अभियंता श्री आर के श्रीवास ने सेवानिवृतजनों के सुखमय जीवन की कामना की।

एस.ई. कार्यालय दुर्ग से श्री ठाकुर की भावभीनी बिदाई

दुर्ग क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता वृत्त कार्यालय में कार्यरत श्री आर.एस.ठाकुर को सेवानिवृति पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री व्ही.आर. मौर्या एवं श्री एस.आर. बांधे तथा वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय. कोसरिया ने स्मृतिचिन्ह, प्रमाण पत्र प्रदान करने सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने श्री ठाकुर के साथ सेवायात्रा में मिले अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनिली चैहान एवं श्री

आर.के.चन्द्राकर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राजनांदगांव से श्रीमती बिन्दु सोनी को भावभीनी विदाई

राजनांदगांव क्षेत्र से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुई श्रीमती बिन्दु सोनी को भावभीनी विदाई देते हुए मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं प्रतीकात्मक चिन्ह प्रदान किया। साथ ही उनके सुखमय जीवन की कामना मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंता श्री मंगल तिर्की, श्री तरूण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री गीता ठाकुर, स्टॉफ आफिसर श्री के.के. देवांगन, प्रशासनिक अधिकारी श्री नीरज देवांगन, पीआरओ श्री डी. एस. मंडावी, निज सहायक श्री एस.के बक्शी, श्री एन.के. शुक्ला, श्रीमती सरस्वती अय्यर, श्री एस.के. मराठा, श्री प्रकाश सोनटापर, श्री डी.दिलेश्वर राव, श्री अनिल मिंज ने श्रीमती बिन्दु के साथ बिताये पल को साझा किया।

पानी बचाना भी एक पूजा है

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी यात्रा करने में विशेष रूचि रखते थे। साथ ही साथ यात्रा में ठहराव के दौरान अपने करीबियों के घर रुकना पसंद करते थे। उनका मानना था कि जब हम किसी के घर ठहरते है तो इससे अपनापन बढ़ता है। कुछ बातें हम उनसे सीखते हैं और हमसे कुछ वे लोग भी सीखते हैं।

एक बार जवाहरलाल नेहरू के साथ इलाहाबाद के आनंद भवन में गांधी जी ठहरे हुए थे। सुबह के समय जब गांधी जी उठे तो लौटे में पानी लेकर वे हाथ-मुंह धो रहे थे। तभी वहां नेहरू जी पहुंचे। गांधी जी उनके साथ बाते करने लगे। क्योंकि उनकी आदत थी कि वे काम करते-करते बातें भी किया करते थे। इस दौरान उनके लोटे का पानी खत्म हो गया और वे अपना मुंह-हाथ ठीक से नहीं धो सके। इस बात से वे असहज हो गए और नेहरू जी के साथ चल रहे वार्तालाप को उन्होंने बंद कर दिया।

गांधी जी चुप हुए तो नेहरू जी उन्हें देखकर समझ गए कि पानी खत्म हो गया है और इनका मुंह धोने का काम अधूरा रह गया है। नेहरू जी ने कहा, 'क्या बात है बापू, आप एकदम असहज क्यों हो गए हैं ?' गांधीजी ने जवाब दिया, 'तुमसे बात करते समय मैं इतना खो गया कि मुझे पता ही नहीं लगा कि पानी खत्म हो गया और मेरा काम अधूरा रह गया।' नेहरू जी को उस दिन लगा कि बापू कितनी गहरी सोच रखते हैं। जल और अन्य वस्तुओं का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। गांधी जी की ये बातें आज भी लागू होती है। आज पानी बचाना एक पूजा की तरह है। अगर हमने अब भी जल नहीं बचाया तो अगला विश्व युद्ध पानी के लिए ही होगा।

राजनांदगांव में विद्युत सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव के मैदानी अधिकारियों के लिए विद्युत सुरक्षा संबंधित नियमों पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत राजनांदगांव के सभागार में 3 नवम्बर 2020 को किया गया। इसमें शामिल अभियंताओं को समुचित सुरक्षा उपायों को अमल में लाते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस विषय पर मुख्य अभियंता श्री मेश्राम ने कहा कि लाइन में कार्य करते समय कर्मियों को हमेशा अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। थोड़ी सी चूक या लापरवाही खतरनाक हो सकती है। सभी मैदानी अधिकारी अपने क्षेत्र के 33 के.व्ही. लाइनों, 11 के.व्ही. लाइनों एवं एल.टी. लाइनों का निरीक्षण स्वंय उपस्थित होकर करें।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री तरूण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.आर.के. मुर्ति एवं सहायक अभियंता (सुरक्षा) श्री जी.एल. कौशिक ने मैदानी अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि विद्युत लाइनों पर कार्य करने के पूर्व विधिवत परमिट लेकर सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करते हुए ही एबी स्वीच को ओपन कर लाइन को डिस्चार्ज कराये। साथ ही साथ सुनिश्चित कर ले कि किसी अन्य उपकेन्द्र से इस लाईन पर विद्युत प्रदाय तो नही किया जा रहा है यदि ऐसा है तो उसे दूसरे छोर से भी नो बैकफीड परमिट अवश्य ले तथा लाइन को बंद करावें। मोबाइल के माध्यम से कदापि परमिट ना लें।

कार्य क्षेत्र में सुरक्षा उपकरणों जैसे डिस्चार्ज राड, सेफटी बेल्ट, हेलमेट, दस्तानों आदि के प्रयोग कर ही कार्य को संपादित करें। इस कार्यशाला में सहायक अभियंताओं द्वारा भी अपने अनुभव एवं कार्य के दौरान आने वाले परेशानियों को साझा किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री बीरबल उइके, श्री एस.आर. साण्डे, श्री एल.के. राठौर सहित जिले के समस्त सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित हुए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह सम्पन्न

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह का आयोजन मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा, कारखाना प्रबंधक श्री एच.एन.कोसरिया, अति.मुख्य अभियंता श्री एच.के.गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता एक्का की गरिमामयी उपस्थिति में सपंन्न हुआ। इस अवसर पर श्री बंजारा ने सभी जगह सुरक्षा नियमों का पालन करने, शून्य दुघर्टना लक्ष्य की प्राप्ति तथा सुरक्षा मानक के साथ कार्य करने प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा उपकरण धारण कर काम प्रारंभ करें तथा कार्य समाप्ति के पश्चात विधिवत् हाउस कीपिंग करें जिससे कि दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। अति.मुख्य अभियंता श्री एच.के. गुप्ता ने कहा कि संयंत्र सड़क और घर सभी जगह सुरक्षा नियमों का पालन सबके लिये जरूरी है। श्री कोसरिया सुरक्षा नियमों के पालन करते हुये अपने कार्यों का निवर्हन करना चाहिए। जिससे कि भविष्य में किसी प्रकार दुर्घटना न हों।

औद्योगिक संरक्षा सप्ताह के अवसर पर कर्मियो के लिये आयोजित विभागीय निबंध प्रतियोगिता में, श्रीमती मिनीक्षी भारद्वाज, नीलम शर्मा, श्री एन.शहा, ललीता खलखो, श्री महेन्द्र कुमार यदु, प्रतिभा डहरिया, बबली चैधरी ठेका वर्ग में-नारा प्रतियोगिता में श्रीमती सीमा राठौर, नीलम शर्मा, ललिता खलखों, श्रीमती प्रतिभा डहरिया, श्रीमती मीरा कनेर, श्रीमती बबली चैधरी ठेका वर्गमें-श्री बीनू कंवर, श्रीमती बिन्दा साहू, श्री रवि कुमार साहू,श्री गौरीशंकर साहू, श्री

हरीश चन्द्रा सांत्वाना पुरस्कार श्री रामानंद कंवर, श्री शिवकुमार को पुरस्कृत किया गया।

इसी तरह कविता प्रतियोगिता में नीलम शर्मा, श्रीमती सीमा राठौर, श्री संतोष सोनी, ललिता खलखो, श्रीमती बबली चैधरी, श्रीमती मीरा कनेर ठेका वर्ग में-श्रीमती प्रीति पटेल, श्री रामलाल अहिरवाल, श्री रामानंद कंवर, श्रीमती रजनी चैहान को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा सीएचपी में मॉकड्रिल किया गया तथा डॉ. रामटेके द्वारा प्राथमिक उपचार पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में प्रश्नमंच का संचालन श्री आर.पी. टंडन तथा संचालन वरि.कल्याण अधिकारी, श्री एस.पी.बारले द्वारा किया गया।

सेवानिवृत्त कोरबा पूर्व बिजली घरों को बिसारें कैसे ?

रोटी, कपड़ा, मकान को मानव जीवन के सुखी संचालन हेतु आवश्यकताओं की दृष्टि से सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। जन्म लेने के उपरांत मनुष्य का नाता इनसे जीवन पर्यन्त जुड़ा रहता है। इन आवश्यकताओं की पूर्ति अपने और अपने परिवारजनों के लिए मनुष्य कर्म और श्रम से करता है। जिसके लिए कृषि, उद्योग धन्धों को वह अपनाता है और इन स्रोतों से भावनात्मक रिश्ता जोड़ लेता है। विद्युत कर्मियों ने भी इसी तरह बिजली घरों से अपना अटूट नाता जोड़ रखा है। इसलिए ऐसे अटूट नाते जब टूटते-छूटते हैं तो ऑखे बरबस नम हो जाती है। साथ ही सदा सदा के लिए ऐसे दुखदायी पल मानस पटल पर अंकित हो जाते हैं। ऐसा ही एक पल वर्ष 2020 जाते जाते विद्युत कर्मियों को 31 दिसम्बर की अर्धरात्रि को दिखा गया।

31 दिसम्बर 2020 की अर्धरात्रि को छत्तीसगढ़ की विद्युत नगरी के नाम से प्रसिद्ध कोरबा शहर में स्थित कोरबा पूर्व ताप विद्युत संयंत्र की दो इकाईयां हमेशा के लिए बंद कर दी गई। नेशनल ग्रिन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) ने अपने प्रतिवेदन में इन इकाईयों से अत्यधिक प्रदूषण होने की बात कही और राज्य सरकार से इन इकाईयों को बंद करने की सिफारिश की थी। पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाने के अलावा इन इकाईयों को अत्यधिक उम्र के कारण भी सेवानिवृत्त किया जाना तय किया गया।

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड के सहयोग से 27 अप्रैल 1976 में 120 मेगावॉट क्षमता की पहली इकाई तथा 5 अप्रैल 1981 में स्थापित 120 मेगावॉट की दूसरी इकाई से उत्पादित बिजली के कारण कोरबा को ऊर्जाधानी के रूप में पहचान मिली। इन बिजली घरों से उत्पादित बिजली से अविभाजित मध्यप्रदेश सहित देश के कई राज्यों की बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति की गई। मध्यप्रदेश के विभाजनोपरांत नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ को "पॉवर हब आफ इंडिया" के नाम से भी इन संयंत्रों से उत्पादित बिजली के बूते पहचान मिली।

इन बिजली घरों की सेवानिवृत्ति के पहले कोरबा पूर्व संयंत्र के अन्तर्गत स्थापित 50-50 मेगावॉट की चार इकाईयों को भी 14 सितम्बर 2018 को बंद किया गया। इनमें से पहली इकाई 05 सितम्बर 1966, दूसरी इकाई 16 मई 1967, तीसरी इकाई 23 मार्च 1968 तथा चौथी इकाई 31 अक्टूबर 1968 को क्रियाशील की गई थी।

कोरबा पूर्व के बिजली घरों में कई दशकों तक सेवायें देने के साथ साथ पारिवारिक माहौल में जुड़े रहने के उपरांत जब छूटने की बारी आई तो अधिकारियों-कर्मचारियों ने अश्रुपुरित आंखों से संयंत्रों के प्रति हृदय से आभार जताया। इनके साथ साथ इन संयंत्रों से उत्पादित बिजली से रौशन हुए गांव-खेड़ा, खेत-खलिहान, कल-कारखाने, झुग्गी-झोपड़ी सहित चमचमाते शहरों में स्थापित गगन छूती इमारतों ने भी संयंत्रों को सलाम किया। इन सभी के चेहरे पर यही भाव उभर रहे थे कि-

सेवानिवृत्त कोरबा पूर्व बिजली घरों को बिसारे कैसें ?
महल क्या, झोपड़ी क्या, खेत क्या, खलिहान क्या ?
हर जीवन ज्योति में रौशनी तुम्हारी है...

श्री विकास शर्मा, *प्रकाशन अधिकारी*

बिजली चलित चॉक से चंदन चक्रधारी की कायाकल्प

"विकास का नित नूतन पाठ छत्तीसगढ़ी युवा पढ़ रहे हैं। नहीं करेंगे पलायन अब, नया छत्तीसगढ़ वे गढ़ रहे हैं।" इन पंक्तियों को चरितार्थ कर रहे है राजधानी के निकट रायपुरा के निवासी चंदन चक्रधारी। वे पेशे से कुम्हार है। उनका परिवार मिट्टी से विविध बरतन, खिलौने, मूर्तियां आदि निर्मित कर जीवनयापन करता है। चंदन परिवार के इस पैतृक पारम्परिक व्यवसाय में बढ़ती स्पर्धा के मध्य विविध किस्म की कठिनाईयां आ रही थी। ऐसी कठिनाईयों से जूझते हुए आगे बढ़ते चंदन को बिजली चलित चॉक की प्राप्ति हुई, जिसने चंदन को समय, श्रम एवं अर्थ की दृष्टि से मजबूती प्रदान की।

बिजली चलित चॉक से चंदन के व्यवसाय को मिली गति के संबंध में पूछने पर उन्होंने बताया- पुरानी पद्धति से बरतन, घड़े, मूर्ति निर्माण में अत्यधिक समय एवं श्रम लगता था। साथ ही साथ कार्य में सुघड़ता की भी कमी दिखाई देती थी। सरकारी योजना के अंतर्गत प्राप्त बिजली चलित चॉक अब चक्रधारी परिजनों के लिए आत्मनिर्भर और उन्नत बनाने की दृष्टि से अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ। बिजली चलित चॉक से बिजली बिल में बढ़ोत्तरी-भुगतान विषयक सवाल का जवाब देते हुए चंदन ने कहा कि प्रदेश में मार्च 2019 से लागू हॉफ रेट पर बिजली बिल भुगतान योजना से बड़ी राहत मिली है। इसके पूर्व बिजली बिल का भुगतान एक चिन्ता का विषय बनता रहा है। नई सरकार की इस योजना ने गरीब-निर्धन परिवारों के जीवन में खुशहाली ला दी है।

बिजली बिल आधा का फायदा गिनाते हुए चंदन ने बताया कि गरीबी के कारण वे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सके किन्तु अब उनके परिवार के छोटे भाई-बहन बिजली की रौशनी में आराम से पढ़-लिख पा रहे हैं। मासिक आमदनी में भी ईजाफा होने से परिवार के सदस्य अन्य मूलभूत सुख-सुविधाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। देर रात तक काम करना आसान हो गया है। काम के प्रति कड़ी मेहनत और लगन को बनाये रखने के लिए सस्ती बिजली की भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए चंदन कहते है कि कुछ नया और बेहतर करने के लिए बिजली ने प्रेरित किया है। अब माटी निर्मित अपनी कलाकृतियों को न केवल प्रदेश में अपितु देशभर में बिखराने की ललक बढ़ गई है। मेरा मन कहता है कि-

मिट्टी को छूकर, कुछ बना कर इनमें ठहर जाये,
अपने ही गांव में इतना मिले कि अब कोई शहर न जाये।

*वार्ता. **श्रीमती अनामिका मण्डावी**, सहायक प्रकाशन अधिकारी*

डॉ. संगीता परमानंद को 'कोरोना कर्मवीर' राष्ट्रीय सम्मान

छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी के डीएसपीएम भंडार संभाग में कार्यरत सहायक अभियंता श्री किशोर परमानंद की धर्मपत्नी डॉ. संगीता परमानंद को 'कोरोना कर्मवीर' राष्टीय 'राष्ट्र सृजन अभियान' संगठन द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें दिव्यांगता पर किये शोध कार्य एवं कोरोना संक्रमणकाल में समाज के लिए समर्पित सेवा भावना हेतु प्रदान किया गया। 'विकलांगता का समाजशास्त्रीय अध्ययन' प्रकृति उपासक, उरांव, लछमी इनकी प्रकाशित कृतियां है। 'छत्तीसगढ़ रत्न', 'छत्तीसगढ़ अस्मिता सहित अनेक साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. संगीता की कहानियां एवं आलेख अनेक राष्ट एवं राज्यस्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। बधाई...

कुर्यात सदा मंगलम

सुदीप संग मंजुलता

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रायपुर के कार्यालय केन्द्रीय लेखा इकाई में कार्यरत श्री अशोक कुमार पाण्डेय, अनुभाग अधिकारी के सुपुत्र चि. सुदीप का शुभ विवाह बिलासपुर निवासी श्री रमेश मिश्रा की सुपुत्री सौ.कां.मंजुलता के साथ 10 दिसम्बर 2020 को शहनाई गॉर्डन रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

साकेत संग प्रगति

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी रायपुर के कार्यालय मानव संसाधन विभाग में कार्यरत श्री कमल कुमार भंवर, कार्यालय सहायक श्रेणी एक के सुपुत्र चि. साकेत का शुभ विवाह बिलासपुर निवासी श्री सूर्यकांत कश्यप की सुपुत्री सौ.कां.प्रगति के साथ 13 दिसम्बर 2020 को क्लब रॉयल, रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

साल 2020 को नमन् क्योंकि ?

21 वीं सदी के इतिहास में वर्ष 2020 को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इसने दुनिया भर में मानव समुदाय को कोविड-19 जैसे भयावह वायरस की चपेट में लाया और यह भी दिखा गया कि अभी भी दुनिया में बहुत से ऐसे काम है जिसे वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा जगत से जुड़े विशेषज्ञों सहित आमजनों को भी करना है।

विदा लेते हुए वर्ष 2020 ने कोविड-19 को अपने कोख में जन्म तो दिया किन्तु इसके माध्यम से वह बता गया कि संकटपूर्ण घड़ी में सबसे बड़ी परीक्षा हमारे धैर्य, संयम और संकल्पशक्ति की होती है। उसने यह भी सिखा दिया की चुनौतियों का सामना सूझबूझ से किस तरह किया जा सकता है। अमीर, गरीब को वह समझा गया मृत्युभोज, विवाह आदि कार्यक्रमों को न्यूनतम खर्चों पर निपटाने की पद्धति, घर में रखे एक एक दाने की कीमत, मितव्ययिता की अनिवार्यता और स्वच्छत्ता की महत्ता। साथ ही जन-मन के मध्य जिंदगी की नई परिभाषा को वर्ष 2020 यूं परिभाषित कर गया -

जिंदगी आपकी पंसद के गीतों की रिकार्डिंग नहीं है।

जिंदगी एक रेडियो है, उसमें जो भी आएगा, उसी का आनंद लें।

आईना बोलता है

विजय मिश्रा
संपादक

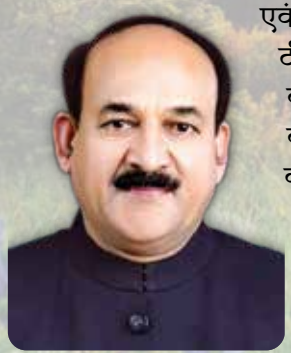

हर्ष की बात है कि कंपनी प्रबंधन एवं अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम ने उक्त संदेश को अपनाकर वर्ष 2020 में कोविड-19 की चपेट से बचते हुए पॉवर कंपनीज की प्रगति को अनवरत् बनाये रखा। पावर जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों ने सर्वाधिक उत्पादन सहित सर्वाधिक प्लांट लोड फेक्टर का रिकार्ड बनाकर देश के अनेक उन्नत राज्यों को पीछे छोड़ दिया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि 2020 के कलंकित वायरस कोविड-19 के मुंह पर न केवल एक करारा तमाचा रहा, अपितु विद्युत कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा और टीम वर्क का पुख्ता प्रमाण भी बना।

ऐसे ही चुनौतिपूर्ण दौर में बस्तर के सघन वनांचलों में स्थित अविद्युतीकृत ग्रामों को तेलंगाना राज्य से बिजली लेकर परंपरागत तरीके से विद्युतीकृत करने की अभिनव पहल की गई। साथ ही साथ अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों के निर्माण में भी उत्साहजनक प्रगति दर्ज हुई। पॉवर कंपनी की प्रगति तो अनवरत होती रही लेकिन एक घड़ी ऐसी भी आई जब पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से कोरबा पूर्व ताप विद्युत संयंत्र की 120-120 मेगावॉट की दो विद्युत इकाइयों को 31 दिसम्बर 2020 की अर्धरात्रि को हमेशा के लिए बंद करना पड़ा।

पॉवर कंपनी की विकास यात्रा में अपने योगदान को अविस्मरणीय बनाये हुए विदा लेती हुई इकाईयों से बिछुड़ना कंपनी परिवार के लिए अत्यंत ही भावुक भरा पल था। सेवानिवृत्त विद्युत इकाईयों से पारिवारिक रिश्ते-नाते की भॉति सीधे जुड़े कर्मियों की आंखें नम हुई और रूंधे गले से बिछुड़ते परिजनों ने विद्युत इकाईयों के प्रति कृतज्ञता को व्यक्त किया।

सेवानिवृत्त इकाईयों के साथ वर्ष 2020 यह सीख दे गया कि जो आज नया है वह कल अवश्य पुराना हो जाएगा। जन-मन की भलाई इसी में है कि यथासमय पुराने के स्थान पर अत्याधुनिक तकनीकी तथा बेहतर दक्षता को प्रदर्शित करने की रीति-नीति और अनुशासित जीवनशैली को अपनायें, ताकि वर्ष 2021 ही नहीं हर आने वाले वर्षों में उमंग, उल्लास की चासनी से जीवन सराबोर रहें और तन-मन में भरा आत्मविश्वास हुंकार भरते हुए कहे कि -

मुझे क्या मिटाएंगी गर्दिशें जमाने की।
सीख ली अदा मैंने गम में मुस्कुराने की।

प्रिंटिक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक